भूल हुई काई थे कईया रूस्या हो भजन लिरिक्स

भूल हुई काई,
थे कईया रूस्या हो,
टेर सुनो सांवल सा म्हारी,
कईया सुत्या हो,
भूल हुई काईं।bd।

तर्ज – तेरा मेरा सांवरे ऐसा नाता है।

घणी मिन्नत करूँ थारी,
भुला द्यो भुला थे म्हारी,
अगर थे ना सुनेगा तो,
बताओ सुनसी कुंण म्हारी,
टाबरियां कानि,
क्यों आख्या मिच्या हो,
टेर सुनो सांवल सा म्हारी,
कईया सुत्या हो,
भूल हुई काईं।bd।

बड़ो हूँ बावलो बाबा,
बनाओ सांवलो बाबा,
करो किरपा दयालु मैं,
घणो उतावलो बाबा,
काना ने थारे,
थे कइया भीचा हो,
टेर सुनो सांवल सा म्हारी,
कईया सुत्या हो,
भूल हुई काईं।bd।

भगत नादान है बाबा,
क्षमा को दान द्यो बाबा,
घणो दु:ख को सतायो हूँ,
जरा सो ध्यान द्यो बाबा,
'हर्ष' भगत ने थे,
क्यों भुलया बैठया हो,
टेर सुनो सांवल सा म्हारी,
कईया सुत्या हो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भूल हुई काई,
थे कईया रूस्या हो,
टेर सुनो सांवल सा म्हारी,
कईया सुत्या हो,
भूल हुई काईं।bd।

Singer – Hari Sharma Ji

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com